श्याम तेरा ये एहसान है | By PRASHANT SURYAVANSHI

श्याम तेरा यह एहसान है
मेरी जग में जो पहचान है
इस तन में जो सांसे बसी
तेरे चरणों का ही दान है
श्याम तेरा यह एहसान है

जन्म जब से लिया रूप देखा तेरा
देखते देखते मैं हुआ हूं बड़ा
नहीं होता कहीं मेरा नाम और निशा
मेरे सर पर नहीं होता हाथ तेरा
तेरे उपकार से सांवरे मेरे होठों पर मुस्कान है
इस तन में जो सांसे बसी
तेरे चरणों का ही दान है
श्याम तेरा यह एहसान है

जब तलक में जियो सास इस तन से लू
बस यही है दुआ ध्यान तेरा करूं
ऐसा वरदान दो मेरा कल्याण हो
उम्र जब तक रहे तेरी सेवा करूं
मेरे कुछ भी नहीं जिंदगी
सारी तुझ पर कुर्बान है
इस तन में जो सांसे बसी
तेरे चरणों का ही दान है
श्याम तेरा यह एहसान है

मैं तो हूं एक दुआ जिसका नाम ओ निशान
बिन तेरे सांवरे इस जहां में कहां
मेरी उंगली पकड़ ले चलो तुम कहीं
पीछे पीछे चलूंगा कहोगे जहां
शर्मा का कुछ नहीं है वजूद
तेरे हाथों में ही जान है
इस तन में जो सांसे बसी
तेरे चरणों का ही दान है
श्याम तेरा यह एहसान है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%af%e0%a5%87-%e0%a4%8f%e0%a4%b9%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%a8-%e0%a4%b9%e0%a5%88-by-prashant-suryavanshi/